५. समय का बोध

काल के तीन भाग हैं । जो बीत गया वह भूतकाल, जो चल रहा है वह वर्तमान काल और जो आने वाला है, वह भविष्यकाल होता है । आज सोमवार है । आज शब्द वर्तमानकाल को दर्शाता है । कल मेरा जन्मदिन है । इसमें 'कल' शब्द भविष्यकाल को दर्शाता है । दादी ने कल मुझे कहानी सुनाई थी । इस वाक्य में प्रयुक्त शब्द 'कल' भूतकाल को दर्शाता है । समय को समझने के लिए दिनदर्शक अर्थात कैलेंडर या विद्यालय की समय सारिणी जैसे साधनों का उपयोग किया जाता है ।

दिनदर्शक

बताओ तो

- हम दिनदर्शक का उपयोग किन कामों के लिए करते हैं ?
- दिनदर्शक के पन्ने को तुम कब और क्यों बदलते हो ?
- दिनदर्शक की संख्याएँ हमें क्या बताती हैं ?

क्या तुम जानते हो

मूर्ति

सिक्के

खपरैल टुकड़े

इतिहास विषय का अध्ययन करते समय 'काल' को समझना आवश्यक होता है । किसी स्थान पर इमारत की नींव खोदते समय कभी-कभी पुरानी मूर्तियाँ, सिक्के, खपरैल टुकड़े इत्यादि वस्तुएँ प्राप्त होती हैं । ये वस्तुएँ किस काल की हैं, इसका अध्ययन किया जाता है । ऐसे अध्ययन द्‌वारा उन वस्तुओं के काल की जानकारी प्राप्त होती है ।

थोड़ा सोचो

आज का समाचारपत्र दूसरे दिन पुराना हो जाता है परंतु जब कोई बात याद नहीं आती, तब हम फिर से पुराने समाचारपत्र खोजकर उनमें से अपेक्षित जानकारी प्राप्त करते हैं अर्थात आज का समाचारपत्र कल इतिहास बताने वाला महत्त्वपूर्ण साधन बन जाता है ।

बताओ तो

'काल' मापन के लिए किन साधनों का अध्ययन करना पड़ता है ?

काल (समय) को समझने के लिए हम उसका विभाजन सेकंड-मिनट-घंटा, दिन-रात, पक्ष, महीना और वर्ष, इस प्रकार करते हैं । इस रूप में हम काल का मापन कर सकते हैं । घटिका यंत्र, घड़ी तथा दिनदर्शक (कैलेंडर) इत्यादि कालमापन के साधन हैं ।

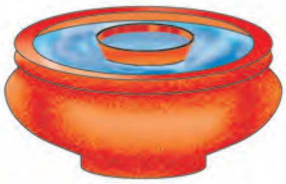

घटिका यंत्र

रेत घड़ी

दिनदर्शक

क्या तुम जानते हो

चौदहवीं शताब्दी में यूरोप में रेत घड़ी का उपयोग होने लगा था । इसमें लकड़ी की एक चौखट में एक-दूसरे से जुड़े हुए काँच के दो बरतन होते थे । इन बरतनों के मध्य एक संकीर्ण तथा छिद्रोंवाला बरतन होता था, जिससे एक बरतन की रेत दूसरे बरतन में जा सके । ऊपरी बरतन में शुष्क एवं अत्यंत महीन रेत भरकर बर्तन के छिद्र को ऐसा रखा जाता था कि वह रेत नीचे वाले बरतन में एक घंटे में गिर जाए । पूरी रेत निचले बरतन में गिरने के बाद तुरंत घड़ी को उलटा कर दिया जाता था । इस प्रकार एक घंटे के काल (समय) का मापन किया जाता था । इस घड़ी का उपयोग भारत में भी किया जाता था ।

करके देखो

भूतकाल और वर्तमान कालवाले अपने ही छायाचित्र (फोटो) नीचे दी गई चौखटों में चिपकाओ। आज से २० वर्ष बाद तुम कैसे दिखाई दोगे, इसका कल्पनाचित्र भविष्यकालवाली चौखट में बनाओ।

भूतकाल	वर्तमानकाल	भविष्यकाल
मैं बचपन में ऐसा था	अब मैं ऐसा हूँ ।	बीस वर्ष बाद मैं ऐसा हो जाऊँगा ।

बताओ तो

• हम अलग-अलग पद्धतियों से काल के भाग क्यों करते हैं ?

व्यावहारिक सुविधा के लिए हम विभिन्न पद्धतियों से काल के भाग (विभाजन) करते हैं । उदा. अभी, थोड़े समय पहले, थोड़े समय बाद अथवा आज, कल (आने वाला या बीता हुआ) जैसे शब्दों का उपयोग करते समय अनजाने में हम मन-ही-मन काल का मापन करते रहते हैं ।

हमने क्या सीखा

* व्यावहारिक सुविधा के लिए हम काल के अलग-अलग भाग बनाते हैं । अभी, थोड़े समय पहले अथवा बाद, जैसे शब्दों का उपयोग करते समय हम अनजाने में काल का मापन करते हैं ।
* काल को समझने के लिए घड़ी, दिनदर्शक, विद्यालय की समय सारिणी इत्यादि साधनों का उपयोग करते हैं ।
* काल का विभाजन करते समय, सेकंड-मिनट-घंटा, दिन-रात, सप्ताह, पक्ष, माह तथा वर्ष, इस रूप में भाग करते हैं ।
* पुरानी वस्तुओं, इमारतों, सिक्कों, मूर्तियों, खपरैल टुकड़ों अथवा परिसर की ऐतिहासिक वास्तुओं द्वारा काल का बोध होता है और गाँव या परिसर का इतिहास समझने में सहायता मिलती है ।

स्वाध्याय

(अ) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखो :

(१) 'काल' मापन के साधन कौन-से हैं ?

(२) 'काल' को समझने के लिए हम उसका किस प्रकार विभाजन करते हैं ?

(आ) समूह 'अ' तथा 'ब' की उचित जोड़ियाँ मिलाओ :

समूह 'अ'	समूह 'ब'
(अ) जो बीत चुका है, वह	(१) वर्तमानकाल
(आ) जो चल रहा है, वह	(२) भूतकाल
(इ) जो आने वाला कल है, वह	(३) काल
	(४) भविष्यकाल

HEXMHZ

उपक्रम

• अपने परिवार के सदस्यों के जन्मदिन जिन अंग्रेजी और हिंदी महीनों में आते हैं; उन महीनों को क्रम से रखो।

***